500 अस्थाई श्रमिक आपूर्ति की आड़ में 68.40 लाख रुपए का घपला?

हैरिटेज नगर निगम जयपुर ने वर्ष 2022 में दिया था फर्म आर. एस. बी. सिक्युरिटीज को ठेका

- पूर्व चेयरमैन कैलाश महावर ने आरोप लगाया है कि फर्म ने कर्मचारियों को 30 दिन के बजाय मात्र 26 दिन का वेतन दिया, पीएफ़ और ईएसआई का पैसा भी जमा नहीं करवाया
- महावर का आरोप है कि इस कंपनी द्वारा घफलेबाजी करने के बाद भी निगम प्रशासन ने उसे संतोषजनक कार्य का प्रमाण पत्र दे दिया, जबकि पूर्व महापौर मुनेश गुर्जर ने इस प्रकरण की जांच के आदेश दिए थे

जयपुर। हैरिटेज नगर निगम जयपुर में 500 अस्थाई श्रमिक आपूर्ति की आड़ में 68 लाख 40 हजार रुपए का घपला करने का मामला सामने आया है। वर्ष 2022 में निगम प्रशासन ने फर्म आर.एस.बी. सिक्युरिटीज को ठेका दिया था, उसने कर्मचारियों को 30 दिन के बजाय मात्र 26 दिन का ही भुगतान किया। 500 कर्मचारियों की हर महीने 4 दिन के हिसाब से सालभर में 24 हजार हाजिरी दिवस का भुगतान नहीं किया, जो कि प्रतिदिन 285 रुपए के हिसाब से 68.40 लाख रुपए बनता है।

यह आरोप जयपुर नगर निगम के पूर्व चेयरमैन कैलाश चंद्र महावर ने इस कंपनी पर लगाए है। उन्होंने नगर निगम के अफसरों पर भी कंपनी से गठजोड़ का आरोप लगाया गया है। कैलाश महावर का कहना है कि, इस कंपनी द्वारा की गई धांधलीबाजी के बावजूद भी नगर निगम की स्वास्थ्य शाखा के अफसरों ने उसे कार्य संतोषजनक होने का प्रमाण पत्र दे दिया। जबकि तत्कालीन महापौर मुनेश गुर्जर ने इस मामले की जांच के आदेश दिए थे। परन्तु अफसरों ने यह पूरा मामला दबा दिया।

कैलाश महावर ने गत 5 फरवरी को इस पूरे मामले की शिकायत भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा, एसीबी महानिदेशक और हेरिटेज नगर निगम कमिश्नर को दी है।

इस पत्र में उन्होंने साफ लिखा है कि, अस्थाई श्रमिक आपूर्ति फर्म आर.एस.बी. सिक्युरिटीज ने वर्ष 2022 में 500 कर्मचारी हेरिटेज नगर निगम प्रशासन को उपलब्ध करवाए थे। इन श्रमिकों को प्रतिदिन के हिसाब से 285 रुपए मजदूरी देनी थी। परन्तु कंपनी ने श्रमिकों को हर महीने 30 दिन के बजाय 26 दिन का भुगतान किया। उनके चार दिन का भुगतान रोकते हुए यह झांसा दिया गया कि ठेका समाप्ति पर यह 4 दिन का पैसा बोनस के रूप में उनके खाते में डाल दिया जाएगा।

इस प्रकार इस कंपनी ने प्रत्येक कर्मचारी को साल भर में 48 दिवस का पैसा कम दिया। यानी कि कुल 500 कर्मचारियों की 24 हजार हाजिरी दिवस का भुगतान नहीं किया, जो कि 285 रु. प्रतिदिन के हिसाब से 68.40 लाख रुपए होती है। इसके साथ ही कर्मचारियों का पीएफ और ईएसआई का पैसा भी जमा नहीं करवाया गया।

हैरानी की बात यह है कि, इस फर्म का कार्य असंतोषजनक होने के बावजूद भी नगर निगम के स्वास्थ्य शाखा के अफसरों ने मिलीभगत करते हुए ठेकेदार को संतोषजनक कार्य का प्रमाण पत्र जारी कर दिया, जो कि खुला भ्रष्टाचार है। यह पूरा कारनामा इसलिए किया गया है कि, 5 फरवरी 2025 को हेरिटेज नगर निगम ने अकुशल श्रमिक आपूर्ति की एक और निविदा जारी की है। यह फर्म इस टेंडर में भाग ले सके, इसलिए ये पूरा खेल हुआ है। अगर नगर निगम प्रशासन इस टेंडर में शामिल होने वाली सभी फर्मो से ईएसआई और पीएफ की कर झुकता की संपूर्ण जानकारी ले लेवे तो भविष्य में कर्मचारियों का आर्थिक शोषण नहीं हो सकेगा।

अत्याधुनिक मार्केटिंग टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म लॉन्च किया

जयपुर। भारत की सबसे बड़ी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम ने अपना अत्याधुनिक मार्केटिंग टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है, जो एलआईसी के प्रोजेक्ट डाइव, एक महत्वाकांक्षी डिजिटल परिवर्तन पहल, में पहला बड़ा मील का पत्थर साबित होगा। यह लॉन्च, बीमा उद्योग में वैश्विक डिजिटल चैंपियन बनने की दिशा में एलआईसी के पहले कदम का प्रतिनिधित्व करता है, जो अभूतपूर्व पैमाने पर कस्टमर एंगेजमेंट में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए विश्व स्तरीय तकनीक पर कार्य करता है।

भारतीय जीवन बीमा निगम के सीईओ तथा एमडी सिद्धार्थ महान्ति ने कहा प्लेटफॉर्म के लॉन्व के साथ, एलआईसी ने डिजिटल परिवर्तन की अपनी साहसिक नई यात्रा पर पहली छलांग लगाई है, जो बीमा क्षेत्र में कस्टमर एंगेजमेंट को फिर से परिभाषित करेगी। यह पहल पॉलिसीधारकों, संभावित ग्राहकों और एजेंटों के साथ सहज और व्यक्तिगत तरीके से जुड़ने की हमारी क्षमता को मजबूत करती है। केवल एक तकनीकी उन्नयन से कहीं अधिक है यह एक रणनीतिक बदलाव है, जो एलआईसी को डिजिटल बीमा नवाचार में एक वैश्विक अधिनायक के रूप में स्थापित करता है। प्रोजेक्ट भविष्य के लिए हमारे दृष्टिकोण का एक प्रमाण है, और हम नए उद्योग मानक स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्लेटफ़ॉर्म एक बुद्धिमान, बहु-चैनल जुड़ाव क्षमता पेश करता है, जो को हमेशा चलने वाले अत्याधिक निजी अभियानों को चलाने में सक्षम बनाता है, जो ग्राहक अनुभव को सुखद बनाता है और व्यवसाय विकास को बढ़ावा देता है।

हैरिटेज निगम के 250 पार्क तीन जोन में होंगे विभाजित : अरुण हसीजा

- हैरिटेज निगम आयुक्त ने संत कंवर राम पार्क, दीन दयाल उपाध्याय पार्क, माधो सिंह पार्क और कलेक्ट्री सर्कल पार्क का निरीक्षण किया

जयपुर। नगर निगम हैरिटेज आयुक्त अरुण हसीजा ने रविवार को निगम क्षेत्र के पार्कों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकतर पार्कों में सफाई व्यवस्था सुदृढ़ मिली। वहीं कुछ पार्कों में एक ही डस्टबिन होने पर आयुक्त ने उपायुक्त उद्यान मोनिका सोनी को प्रत्येक पार्क में गीला और सूखा कचरा के लिए दो डस्टबिन रखने के निर्देश दिए।

इस दौरान आयुक्त अरुण हसीजा ने संत कंवर राम पार्क, दीन दयाल उपाध्याय पार्क, माधो सिंह पार्क, कलेक्ट्री सर्कल आदि पार्कों का निरीक्षण किया। कुछ पार्कों में स्वच्छता स्लोगन नहीं मिलने और गंदगी मिलने पर आयुक्त अरुण हसीजा ने नाराजगी भी जाहिर की और तुरंत सफाई व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

इस दौरान आयुक्त अरुण हसीजा ने बताया कि हेरिटेज निगम क्षेत्र में 250 पार्क चिन्हित है। ऐसे सभी पार्कों में व्यवस्था सुदृढ़ हों, इसके लिए क्रमशः 100,100 और 50 पार्कों को अलग अलग जोन में बांटा जाएगा। साथ ही अब से हर महीने सभी पार्कों का भौतिक निरीक्षण भी अधिकारियों के द्वारा किया जाएगा। जिससे कि पार्कों में किए जा रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया जा सकें। इस दौरान हेरिटेज निगम उद्यान अधीक्षक छाजू राम सहित अन्य निगम अधिकारी भी मौजूद रहे।

जयपुर। कोटखावदा थाना इलाके में पडौसी दो युवकों द्वारा नाबालिग लड़की से गैंगरेप का मामला सामने आया है। पड़ोसी दो भाइयों ने अकेला पाकर नाबालिग लड़की से जबरदस्ती की। विरोध करने पर मुंह कपड़े से बांधकर बंद कर दिया।

पुलिस ने बताया कि कोटखावदा के रहने वाले व्यक्ति ने मामला दर्ज करवाया कि उनकी नाबालिग बेटी के साथ पड़ोसी दो भाइयों ने गैंगरेप किया है। आरोप है कि उनकी नाबालिग बेटी को अकेला पाकर आरोपी पड़ोसी दोनों भाइयों ने पकड़ लिया। दोनों भाइयों ने बारी-बारी से नाबालिग लड़की के साथ रेप किया।

नौकरी लगाने के नाम पर ठगी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। बिंदायका थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ग्राम सेवक की नौकरी लगाने के नाम पर ठगी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है,जो सवा साल से फरार चल रहा था। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार बुडानिया ने बताया कि बिदायंका थाना पुलिस ने ग्राम सेवक की नौकरी लगाने के नाम पर ठगी मामले में फरार चल रहे दिनेश कुमार निवासी हरियाणा को गिरफ्तार किया है। जो बिंदायका थाने में 13 दिसम्बर 2023 में दर्ज हुए मामले में फरार चल रहा था। गिरफ्तार आरोपित काफी शातिर किस्म का व्यक्ति है और जो गिरफ्तारी से बचने के लिए दिल्ली में अपनी छुपा कर रहा था। इस मामले में पुलिस ने पूर्व में सुरेश नेहरा निवासी बिदायंका को गिरफ्तार कर चुकी है।

सार-समाचार

पति की मौत के बाद अनजान महिला ने उठाए इंश्योरेंस के पैसे

जयपुर। सदर थाना इलाके में एक अनजान महिला के पत्नी बनकर युवक के इंश्योरेंस का क्लेम उठा लिया। मृतक की पत्नी को इस बात का पता चला तो महिला के बारे में जानकारी जुटाई। पता चला कि क्लेम उठाने वाली महिला ने इससे पहले कोटा के कोर्ट में खुद को पत्नी व बच्चों को हकदार बताकर प्रॉपर्टी में हिस्सा भी मांगा है। आरोप है कि फेक डॉक्यूमेंट से महिला सांठ-गांठ कर इंश्योरेंस क्लेम के साथ प्रोपर्टी हड़पने की साजिश कर रही है। मृतका की पत्नी ने कोर्ट के आदेश से मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने बताया कि कोटा के लोको कॉलोनी निवासी नर्बदा बाई (36) ने मामला दर्ज करवाया कि करीब 30 साल पहले 6 साल की उम्र में उसकी शादी विनोद कुमार से हुई थी। शादी के बाद एक बेटे का जन्म हुआ। वह अपने पति व बेटे के साथ रहती थी। बिजनेस के सिलसिले में महीनों तक पति विनोद कुमार कोटा से बाहर जाते रहते थे। पढ़ी-लिखी नहीं होने के कारण वह घर पर रहकर बेटे की देखरेख करती थी। 10 फरवरी 2009 में उसके पति विनोद कुमार की बस्सी इलाके में रोड एक्सीडेंट में डेथ हो गई थी। अगले दिन 11 फरवरी को सूचना मिलने पर कॉलोनीवासियों के साथ जाकर परिवारजन जयपुर जाकर पति के शव को कोटा ले आए। बेटे राहुल के हाथों से विनोद के शव का अंतिम क्रियाकर्म किया गया। पति की मौत के बाद वह अपने बेटे के पालन-पोषण में लग गई। पति विनोद कुमार के पिता माधोलाल थे। इनकी विनोद से पहले ही मौत हो चुकी थी। पिता माधोलाल व माता शांति बाई के विनोद, ताराबाई, प्रेम बाई व शीला बाई चार भाई-बहन थे। इसमें से पति विनोद व उनकी बहन ताराबाई की मौत हो चुकी है। विनोद कुमार के पिता माधोलाल की मौत के बाद उनकी पत्नी शांति बाई ने झगडू प्रसाद से दूसरी शादी कर ली थी। दूसरे पति झगडू प्रसाद से शांति बाई के दो बच्चे भूपेन्द्र कुमार व रेखा थीं। इसमें रेखा की भी मौत हो चुकी है। झगडू प्रसाद की संपति में उनके बेटे भूपेन्द्र इकलौता वारिस रह गया। देवर भूपेन्द्र ने मृतक विनोद की पत्नी नर्बदा बाई को बताया कि एक अज्ञात महिला ने खुद को विनोद का पत्नी बताकर झगडू प्रसाद की सम्पति में हिस्सा मांगा है। पता करने पर 12 दिसम्बर 2017 में डीजे कोर्ट में महिला ने खुद व अपनी बेटा-बेटी को पार्टी बनाकर भूपेन्द्र कुमार के खिलाफ मकान विभाजन बनाए जाने का प्रार्थना-पत्र कोर्ट में पेश किया। वर्तमान में मुकदमा कोर्ट में केस चल रहा है। इस बारे में पता चलने पर नर्बदा देवी ने जयपुर में जानकारी जुटाना शुरू किया। पता चला कि महिला ने खुद को विनोद कुमार की पत्नी घोषित किया हुआ है। विनोद कुमार के पिता का नाम झगडू प्रसाद बताते हुए जयपुर में विनोद कुमार का एक्सीडेंट क्लेम फर्जी पत्नी बनकर उठा लिया है, वह क्लेम रकम लेने की अधिकारी नहीं थी। आरोप है कि फर्जी तरीके से पत्नी बनकर क्लेम पास कराने में पुलिसकर्मी, आस-पड़ोसी व देवी की ओर से झूठे डॉक्यूमेंट तैयार करवाए गए है। मृतक विनोद कुमार की कोई सम्पति नहीं होते हुए भी सांठ-गांठ कर हड़पने की साजिश कर रही है।

पर्स छीनने वाले गिरोह का बदमाश पकड़ा

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए टंगडी लगाकर पर्स छीनने वाले गिरोह के एक बदमाश को पकडा है। पुलिस जानकारी में सामने आया है कि भागते हुए गिरने से आरोपित को पैर टूट गया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए टंगडी लगाकर पर्स छीनने वाले गिरोह के शातिर बदमाश फैजान निवासी गलता गेट जयपुर को गिरफ्तार किया गया है।पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है। वहीं इस मामले में फरार चल रहे आरोपी आबिद भगौन और रेहान की तलाश की जा रही है।

थार सवार बदमाशों ने फैलाया आतंक

जयपुर। मानसरोवर थाना इलाके में काली थार सवार बदमाशों ने उत्पात मचाया। थार सवार कुछ बदमाशों द्वारा बाइक पर जा रहे एक कपल का पीछा कर उनके साथअभद्रता किए जाने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने पहले युवती पर फब्तियां कसीं और फिर उनकी बाइक के आगे गाड़ी रोककर युवक से मारपीट की। मामला देर रात धनवंतरी अस्पताल के बाहर का है। यहां पर थार सवार बदमाशों ने एक बाइक सवार कपल के साथ अभद्रता की।